Sixteenth Loksabha

pan>

Title: Need to provide employment to the kith and kin of the farmers whose land was acquired for setting up of industrial units in Alwar Parliamentary Constituency of Rajasthan.

श्री कर्ण सिंह यादव(अलवर): सभापति महोदय, अलवर जिला राष्ट्रीय राजधानी के करीब होने से औद्योगिक क्षेत्र के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। किसानों की अति उपजाऊ जमीन को अधिग्रहित कर भिवाडी, टपूकडा, खुशखेडा, चौपानकी, सारे खुर्द, नीमराणा, बहरोड, शाहजहांपुर, घीलोट, सौतानाला, मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र अलवर में लगभग 2500-3000 ईकाइयां चालू हालत में हैं।

आज अलवर जिले में लगभग एक दर्जन इंजीनियरिंग कॉलेजों, अनेकों पॉलिटेक्निक कॉलेजेज, सैकड़ों आईटीआईजी व स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स और पांच विद्यालयों से तकनीकी व प्रबंध की शिक्षा लेकर हजारों की संख्या में प्रशिक्षित युवा हर वर्ष निकलते हैं। खेद का विषय है कि किसानों की जमीनों पर बनी इन फैक्ट्रियों में स्थानीय व्यक्तियों को रोजगार नहीं दिया जाता है। अपने दादा-परदादा की जमीन पर बनी फैक्ट्री में युवाओं को उस फैक्ट्री के गेट के अंदर ही घुसने नहीं दिया जाता है। स्थानीय होना ही उनकी सबसे बड़ी डिसक्वालिफिकेशन है। रोजगार देने के बजाय ये औद्योगिक क्षेत्र ग्रामीण जनता को परेशानियां देते हैं। जहरीले कैमिकल टू, फोर-डी जैसे उत्पादनों से आसपास की फसलें बर्बाद होती हैं। इन फैक्ट्रियों के माध्यम से अत्यधिक जल दोहन किया जाता है। शराब व कोल्ड ड्रिंक्स की फैक्ट्रियों में दस-दस ट्यूबवेल लगे हुए हैं और आसपास के कुओं का जल स्तर बहुत नीचे चला गया है। इसके अलावा स्थानीय नागरिकों को प्रदूषित वातावरण में जीना पड़ता है, प्रदूषित वायु में सांस लेना पड़ता है। इसके कारण दिल, फेफड़े और कैंसर जैसे रोग पनपते हैं। इस बढ़ती हुई बेरोजगारी से युवाओं में बड़ा असंतोष है।

महोदय, जब रोजगार नहीं होता, तो ये युवा अपराधियों के सम्पर्क में आ जाते हैं और उसकी वजह से जिले के अंदर मर्डर, लूटपाट और डकैती की घटनायें बढ़ती जा रही है। मिसगाइडेड नौजवान गैंग्स बना रहे हैं। राजस्थान की मुख्यमंत्री जी ने भी स्वीकारा है कि मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं का कारण बढ़ती हुई बेरोजगारी है।

अत: मेरी मांग है कि जिले भर की फैक्ट्रियों के अंदर स्थानीय कितने लोग काम करते हैं, उनकी गणना हो और यह बात कानूनी तौर पर वहां लागू की जाए कि कम से

कम पचास प्रतिशत स्थानीय युवाओं को रोजगार मिले । बगैर युवाओं को रोजगार दिए आगे बहुत बुरे दिन आने वाले हैं। करोड़ों रोजगार देने की घोषणा करके सत्ता में आई हुई सरकार बड़ा दायित्व है कि स्थानीय प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार देने में पहल करे । मैं आपसे यही निवेदन करता हूं।

माननीय सभापति : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री करण सिंह यादव जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।